आहंगरान गर्ल्स कॉलेज

310, लोहारो का खुर्रा, घाटगेट, जयपुर फोन : 0141-2575652, 2615807

विवरणिका

Raseen Labels ☎ 9829117424

(Affiliated to the University of Rajasthan, Jaipur)

AHANGRAN GIRL'S COLLEGE

AHANGRAN GIRL'S COLLEGE
Loharon Ka Khurra, Ghatgate, Jaipur

APPLICATION FOR ADMISSION

Session : 20..... 20.....

310, Loharon Ka Khurra, Ghat Gate, Jaipur Ph.: 0141-2575652, 2615807

प्राचार्य की कलम से ...

वालदेन साहिबान,

न्यू आँहगरान शिक्षा समिति पिछले 40 वर्षों से भी अधिक समय से शिक्षा के माध्यम से सभी समाज की छात्र-छात्राओं की सेवा बिना किसी भेदभाव से करती आ रही है। शिक्षा समिति प्राथमिक स्तर से सीनियर सैकण्डरी स्तर पर छात्र-छात्राओं की अलग-अलग संस्थाऐं एवं कॉलेज स्तर का छात्राओं की एक संस्था का संचालन कर रही है। शिक्षा समिति के ही प्रयासों का ही परिणाम है कि समय कि मांग व छात्राओं के हितो को प्राथमिकता देते हुए शहर के बीचों -बीच एक ऐसे महाविद्यालय को स्थापित किया जो द्रुतगति में चल रहा है। मुझे यह कहते हुए बड़ा फक्र महसुस हो रहा है कि सत्र 2004-05 में 8 छात्राओं से शुरु किया गया एक छोटा सा प्रयास आज लगभग 350 बच्चियाँ इस इदारे में ज़ेरे तालिम है। स्नात्तक स्तर पर यहाँ उर्दू, इतिहास, राजनीति विज्ञान एवं लोकप्रशासन जैसे महत्वपूर्ण विषय संचालित है।

यह महाविद्यालय उन छात्राओं के लिए वरदान साबित हो रहा है जो सीनियर सैकण्डरी के बाद अपनी पढ़ाई को खत्म कर दिया करती थी। अब उनके हौसले को उड़ान एवं उनके सपनो को सच्चाई में तब्दील होने का भरसक प्रयास कॉलेज अपने स्तर पर कर रहा है और इसी का परिणाम है कि यहाँ की पढ़ी बच्चियां विभिन्न सूबो में अपना व परिवार का नाम रोशन कर रही है। तथा कम्प्यूटर जैसे तकनीकी विभाग में भी अपनी दक्षता का लोहा मनवा रही है। यहाँ यू.जी.सी. के मापदण्डानुसार शिक्षक है। जो पूर्ण अनुभवी व अपने विषय के विशेषज्ञ है। यहाँ एक पूर्ण सुसज्जित लाइब्रेरी है जहाँ विभिन्न विषयों की लगभग 3000 पुस्तके हैं। जहाँ खाली समय में बच्चियाँ अध्ययन कर उसका लाभ उठाती है। इन्डोर और आऊटडोर खेलों की समुचित व्यवस्था है। प्रत्येक शनिवार को यहां विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन बच्चियों के ज्ञान कौशल में वृद्धि हेतु किया जाता है। तथा उन्हें विभिन्न प्रकार के पारितोषिक भी प्रदान किये जाते है। अब तक कॉलेज का परिणाम प्रतिवर्ष लगभग 95-98 प्रतिशत के मध्य रहा है। जो शिक्षको के अथक प्रयासों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य उत्तम शिक्षा, अनुशासन एवं शैक्षिक उन्नयन के साथ - साथ छात्राओं का सम्पूर्ण विकास है। आइये आप हम, सभी मिलकर इस कॉलेज की सतत् उन्नति - प्रगति और विकास में सहयोग प्रदान करें।

आपकी सभी की दुआओं का तलबगार!

डॉ. अज़मल हमीद
प्राचार्य
आहँगरान गर्ल्स कॉलेज, घाटगेट, जयपुर

इल्म हासिल करना हर मुसलमान मर्द व औरत पर फर्ज़ है।''हदीस''

आहंगरान गर्ल्स कॉलेज के क़याम की ज़रुरत ?

देखा गया है कि सीनियर सैकण्डरी पास आउट्स लड़कियाँ (ख़ासतौर से अल्पसंख्यक व पिछड़ा वर्ग समाज की) शहर के ज़्यादातर कॉलेज दूर होने व दीगर समस्याओं के रहते उच्च शिक्षा से महरुम (वंचित) रह जाती हैं। बमुश्किल 10% लड़कियाँ ही कॉलेज व दीगर तकनीकी कोर्सेज़ में दाखिला ले पाती हैं।

इस मुद्दे की अहमियत समझते हुए कमेटी ने फैसला किया के आला-तालीम (उच्च शिक्षा) के लिये लड़कियों के लिये परकोटे के अन्दर एक मैयारी (स्तरीय) कॉलेज खोला जाना चाहिये ताकि बारहवीं क्लास के आगे भी बच्चियों की तालीम जारी रहे।

शहर की चार दीवारी में ज़मीन की क़िल्लत व दीगर कई मुश्किलात के बावजूद अल्लाह के करम से सत्र 2004 में इस कॉलेज का क़याम अमल में आया।

यह संस्था कॉलेज निदेशालय राजस्थान से रजिस्टर्ड व राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बद्ध (एफिलिएटेड) है। तमाम स्टॉफ U.G.C. के मापदण्डों के मुताबिक़ काबिल व तजुर्बाकार है। पिछले सालों के रिज़ल्ट्स भी काफ़ी हौसलाकुन (सराहनीय) रहे क्योंकि यहाँ पर सभी लेक्चरर्स रेगुलर आते है और पूरी लगन से पढ़ाते है।

एक्सट्रा क्यूरिकुलर एक्टिविटीज़ जैसे - स्पोर्टस, कल्चरल प्रोग्राम ख़ास तौर से साप्ताहिक डिबेट के प्रोग्राम रुटीन से आयोजित किये जाते है। यहाँ की लड़कियों ने राजस्थान यूनिवर्सिटी व महारानी कॉलेज के कल्चरल प्रोग्राम में हिस्सा लेकर नुमाया कामयाबी हासिल की है।

आउटडोर पिकनिक व दीगर एज्यूकेटिव और मनोरंजन के प्रोग्राम भी समय-समय पर आयोजित किये जाते है।

गर्ल्स को मिलने वाली तमाम स्कॉलरशिप में पूरा सहयोग किया जाता है।

कॉलेज चलाने का मकसद केवल समाज के वंचित वर्ग की बच्चियाँ आला-तालीम व बुलन्द हौसलों के साथ अपनी क़ौम और मुल्क की तरक़्क़ी में पूरा तजाव्वुन दे सकें।

हमें फ़ख़्र है के बिरादरी आहंगरान ने इस इदारे को शुरु करने व जारी रखने में हमेशा तआव्वुन किया है।

इस मौक़े पर में हाजी अब्दुल सलाम (मास्टर) साहब मरहूम को नही भूलना चाहूगाँ जिन्होंने इस कॉलेज को क़ायम करने में अहम किरदार अदा किया । अल्लाहतआला उन्हें जन्नत में बेहतरीन मक़ाम अता फरमाए।

आमीन

निज़ामुद्दीन
(अवैतनिक सचिव)

पैगामे सदर

गर्ल्स कॉलेज में आपके दाख़िले पर आपको मुबारकबाद और आपका बहुत-बहुत इस्तक़्बाल। आपके इस कॉलेज में दाखिला लेने पर यह बात साबित होती है कि यह कॉलेज आपकी पहुंच के बहुत नज़दीक और शहर के बीचो बीच वाक़े है। यह कॉलेज अपने आप में बहुत सी खूबियों का हामिल है, इस कॉलेज की खूबियो में कॉलेज के खुलते ही पढ़ाई का शुरु हो जाना, सभी सब्जेक्ट के लेक्चरर का स्थायी इंन्तेज़ाम और तमाम किस्म की अदबी कल्चरल व खेलकूद की गतिविधियों का होना यहां की खूबियो में शामिल हैं। यहां के साल दर साल के नताईज इस बात के ज़ामिन हैं कि यहां की मेयारी व रेग्यूलर पढ़ाई इस कॉलेज की खुसूसियात में शामिल हैं।

यहां पढ़ाई के साथ-साथ बियती गतिविधियां, दूसरे कॉलेज और युनिवर्सिटी में होने वाले प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए छात्राओं को भेजना, भी इस कॉलेज की खुसूसियात में शामिल हैं। यहां एक बड़ी लाइब्रेरी, कम्प्यूटर लैब, स्पोर्टस रुम वगैरह हैं।

आख़िर मै बिरादरी आहंगरान और बिरादरी के बुर्ज़ुगान को मुबारकबाद कि उन्होनें लड़कियों की तालीम के लिए ऐसा मेयारी और सहूलतो से भरपूर कॉलेज को खोलने में अपना भरपूर तआवुन देकर लड़कियों की तालीम के लिए आसान रास्ता हमवार किया। मैं उम्मीद करता हूं कि इस कॉलेज के मेयारी बका और अच्छे माहोल को बनाये रखने में आपका सहयोग जरुरी हैं।

शुक्रिया

हाजी अब्दुल शकूर
अध्यक्ष न्यू आहंगरान
एजूकेशन कमेटी

विषय एवं विषयों का चयन

इस महाविद्यालय में राजस्थान विश्वविद्यालय की स्नातक परीक्षाओं (B.A. Pass Corse) के लिए छात्राओं को प्रवेश दिया जाता है–

1. कला संकाय – पार्ट प्रथम, पार्ट द्वितीय एवं पार्ट तृतीय।

अनिवार्य विषय

1. सामान्य हिन्दी 2. सामान्य अंग्रेजी 3. प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग 4. पर्यावरण अध्ययन

वैकल्पिक विषय

1. राजनीति शास्त्र 2. उर्दू 3. लोक प्रशासन 4. इतिहास

नोट:- उपरोक्त में से कोई तीन विषय लिए जा सकते हैं।

प्रवेश सम्बन्धी नियम

1. सभी कक्षाओं में प्रवेश राजस्थान विश्वविद्यालय एवं कॉलेज शिक्षा निदेशालय के नियमों के अनुसार ही होगें।
2. सीनियर हायर सैकेण्डरी (10+2)परीक्षा में उत्तीर्ण छात्राओं को इस महाविद्यालय के स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश दिया जायेगा।
   - i प्रत्येक संकाय में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की छात्राओं के लिए क्रमशः 16 प्रतिशत एवं 12 प्रतिशत स्थान आरक्षित रहेंगे।
   - ii खेलकूद एवं पाठ्येत्तर प्रवृत्तियों तथा वाद-विवाद प्रतियोगिता, संगीत आदि में (राज्य स्तर पर) भाग लेने वाली छात्राओं को प्रवेश देने में प्राथमिकता दी जावेगी।
   - iii इसी संस्था से प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षा पास करने वाली छात्राओं पर उपर्युक्त प्रतिबन्ध प्रभावी नहीं होगा।
   - iv अनुत्तीर्ण होने वाली अथवा न्यूनतम उपस्थिति के कारण रोकी गई छात्राओं को प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
3. महाविद्यालय के प्रत्येक संकाय/विषय में जितनी छात्राओं की संख्या निश्चित है उतने ही स्थानों पर राज्य सरकार के नियमानुसार प्रवेश देय होगा।
4. अपूर्ण अथवा निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा।
5. जिन छात्राओं को पूरक परीक्षा में सम्मिलित होना है, उनको सत्र के प्रारम्भ में ही प्रवेश की निर्धारित तिथि तक अगली कक्षा में अस्थायी प्रवेश ले लेना चाहिये। उनकी उपस्थिति महाविद्यालय में अध्ययन प्रारम्भ होने की तिथि से गिनी जायेगी। प्रवेश न लेने की स्थिति में परिणाम घोषित होने के बाद उनका नियमित प्रवेश नहीं हो सकेगा।
6. पूर्व छात्राओं (Ex-Students) को महाविद्यालय शुल्क का 50% भुगतान किये जाने पर ही प्रवेश दिया जायेगा।
7. प्रवेश प्रार्थना पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख होने आवश्यक है :-

(क) अहंकारी परीक्षा की अंक तालिका तथा स्थानांतरण प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रतियाँ। प्रवेश होने पर मूल प्रति जमा करानी होगी।

(ख) मूल चरित्र प्रमाण-पत्र।

(ग) विश्वविद्यालय परिवर्तन का मूल प्रमाण-पत्र (माइग्रेशन सर्टिफिकेट) जो छात्रायें सम्बन्धित विश्वविद्यालय क्षेत्र के बाहर से आ रही हैं (यदि हों) अन्यथा यह प्रवेश के एक माह में जमा कराना होगा।

(घ) यदि छात्रा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की है तो उसकी पुष्टि जिला मजिस्ट्रेट/उपखण्ड

अधिकारी/सहायक/कलेक्टर/तहसीलदार का प्रमाण-पत्र संलग्न करें।

(इ) आय प्रमाण -पत्र।

(च) खेल आदि में विशेष योग्यता का प्रमाण-पत्र जिनके आधार पर बोनस अंक प्रतिशत चाहा गया है।

8. छात्राओं को निश्चित तिथि तक शुल्क जमा कराकर प्रवेश ले लेना चाहिए। निर्धारित तिथि तक प्रवेश - शुल्क जमा न होने पर प्रवेश स्वत: निरस्त हो जायेगा।

9. प्रवेश हो जाने पर कार्यालय से अपना परिचय-पत्र फीस की रसीद प्रस्तुत कर प्राप्त कर लें। इसे महाविद्यालय में सदैव अपने साथ रखना होगा।

10. आवेदन - पत्र पर छात्रा के पिता/संरक्षक के सही हस्ताक्षर होने चाहिए। प्रत्येक असत्य विवरण का उत्तरदायित्व प्रार्थी का होगा।

11. महाविद्यालय में प्रवेश मिल जाने के बाद यदि किसी विद्यार्थी का आचरण आपत्तिजनक पाया गया, उसने महाविद्यालय का अनुशासन भंग किया या प्रवेश आवेदन-पत्र में कोई असत्य सूचना पाई गई, महाविद्यालय नियमों का उल्लंघन किया, अपने पिता/संरक्षक के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति के हस्ताक्षर करवाये, स्वयं के हस्ताक्षर किये तो उसका यह कार्य अत्यन्त अवांछनीय होने के कारण दण्डनीय अपराध समझा जायेगा और उसका प्रवेश तुरन्त रद्द कर दिया जायेगा।

12. प्राचार्य को यह अधिकार होगा कि उचित कारण होने पर किसी भी आवेदन-पत्र को अस्वीकार कर दें/प्रवेश निरस्त कर दें।

13. प्रत्येक छात्रा को नियमित रुप से महाविद्यालय सूचना -पट्ट देखना चाहिए, अन्यथा कोई भी सूचना प्राप्त न होने का दायित्व छात्रा का होगा।

14. एन.एस.एस./खेलकूद, पर्वतारोहण की सदस्यता हेतु संबंधित अधिकारी से सम्पर्क करें तथा सूचना पट्ट देखें।

15. विषय परिवर्तन के लिए आवेदनकर्त्ता विद्यार्थियों को मात्र एक विषय में परिवर्तन की अनुमति मात्र एक बार दी जा सकेगी। यदि उस विषय/विषय संयोजन (Subject Combination) में स्थान उपलब्ध हो।
संकाय/विषय परिवर्तन, प्रवेश की अन्तिम तिथि से 15 दिन की अवधि में 20/- रुपये संकाय/विषय परिवर्तन शुल्क जमा कराने पर ही किया जा सकेगा।

16. नियमों की अनभिज्ञता के लिए प्रवेशार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।

17. प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित निर्धारित सीटों पर ही।

नोट : जमा करवाया गया महाविद्यालय शुल्क किसी भी दशा में लौटाया नहीं जायेगा।

शुल्क तालिका

संस्था द्वारा प्राप्त किये जाने वाले शुल्क	
पंजीयन शुल्क	100/-
प्रवेश शुल्क	200/-
शिक्षण शुल्क (सत्र में दो बार 4500 +1500)	6000/-
पुस्तकालय शुल्क	50/-
फर्नीचर शुल्क	50/-
विद्युत एवं जल शुल्क	100/-
वाचनालय शुल्क	50/-
योग	6550/-

अन्य शुल्क (लागू होने पर)	
गृह विज्ञान शुल्क	1000/-
गृहविज्ञान शुल्क	150/-
संरक्षित निधि	200/-
स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र शुल्क	50/-
चरित्र प्रमाण -पत्र शुल्क	50/-
परिचय-पत्र डुप्लीकेट शुल्क	50/-
पुस्तकालय कार्ड डुप्लीकेट	50/-
पु:न प्रवेश शुल्क	100/-
विलम्ब शुल्क	200/-

छात्रा कोष

क्रीड़ा शुल्क	50/-	चिकित्सा शुल्क	100/-
छात्रा सहायता	20/-	छात्रा संघ	100/-
परिचय पत्र	30/-	वेल्फेयर प्रवृतियाँ	350/-
पाठ्येतर प्रवृतियाँ	50/-	पत्रिका शुल्क	50/-
विकास शुल्क	300/-	महिला प्रकोष्ठ	50/-
एन.एस.एस.	50/-	सह-प्रवृतियाँ	200/-
पुस्तकालय कार्ड	50/-	योग	1450/-
सामान्य कार्य	50/-		

महाविद्यालय की तरफ से दी जाने वाली इनामी राशि :

बी.ए. पार्ट तृतीय प्रथम टॉपर : 1000/- रुपये, द्वितीय टॉपर : 700/- रुपये, तृतीय टॉपर : 500/- रुपये की राशि प्रदान की जाती हैं।

विभिन्न छात्रवृत्तियां

1. राजस्थान उर्दू एकेडमी द्वारा उर्दू की नियमित छात्राओं हेतु वार्षिक छात्रवृत्ति।
2. राज्य सरकार के अल्प संख्यक विभाग की ओर से छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति।
3. राजस्थान मुस्लिम वक्फ़ बोर्ड की ओर से उर्दू छात्राओं हेतु छात्रवृत्ति।
4. आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान कार्यालय की ओर से उर्दू छात्राओं के लिए ''उर्दू छात्रवृत्ति नूतन''।

उपस्थिति सम्बन्धी नियम

1. विश्वविद्यालय की परीक्षा में बैठने के लिए प्रत्येक छात्रा की हर विषय में दिये गये व्याखानों व प्रायोगिक कक्षाओं में उपस्थिति 75 प्रतिशत अनिवार्य है। इस सम्बन्ध में राजस्थान विश्वविद्यालय के नियमों का पालन किया जायेगा।
2. विद्यार्थी को अपनी उपस्थिति जानने का स्वयं उत्तरदायित्व होगा, उसे प्रतिमाह व्याख्याताओं से उपस्थिति जान लेनी चाहिए।

पुस्तकालय सम्बन्धी नियम

1. पुस्तकालय का उपयोग केवल महाविद्यालय की नियमित छात्राओं द्वारा ही किया जा सकता है।
2. पुस्तकालय में प्रवेश हेतु परिचय-पत्र द्वारपाल को दिखाना अनिवार्य है। साथ ही पुस्तकें, कॉपियां अन्य वस्तुएं कक्षा से बाहर रखनी होंगी।
3. प्रत्येक छात्रा को पुस्तकालय से दो कार्ड मिलेगें, जिन्हें प्राप्त करने हेतु अपना सत्यापित परिचय-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।
4. प्रत्येक छात्रा को एक कार्ड पर केवल एक ही पुस्तक मिलेगी तथा पुस्तकें प्राप्त करते समय पुस्तकालय कार्ड के साथ परिचय-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
5. एक छात्रा एक बार में किसी भी पुस्तक को अधिकतम 15 दिन तक रख सकती है। यदि पुस्तक अन्तिम तिथि तक न लौटाई गई तो 1.00 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से विलम्ब शुल्क देना होगा।
6. पुस्तकालय से पुस्तक लेते समय छात्रा देख ले कि पुस्तक के पृष्ठ पूरे हैं। यदि पुस्तक की वापसी पर पुस्तक में पृष्ठ कम या फटे पाये गये तो उसका उत्तरदायित्व छात्रा का होगा।

   ''पुस्तक के पृष्ठ फाड़ना, पुस्तक को नष्ट करना एक गहन अपराध है।''
7. प्रत्येक पुस्तकालय कार्ड पूर्णत: अहस्तान्तरणीय होगा।
8. सत्र समाप्त होने से पूर्व सभी पुस्तकें व पुस्तकालय कार्ड पुस्तकालय में लौटा कर अदेय प्रमाण-पत्र प्राप्त करना होगा, जिसके बिना परीक्षा प्रवेश-पत्र नहीं मिलेगा।

संस्था के पदाधिकारी

क्र. सं.	नाम	पद	मोबाईल
1.	जनाब हाजी अब्दुल शकूर	अध्यक्ष	9829057863
2.	जनाब हाजी सलीमुद्दीन मोमिन	उपाध्यक्ष	7820999901
3.	जनाब निजामुद्दीन	सचिव	9928159028
4.	जनाब हाजी अहसान	उप सचिव	9829368786
5.	जनाब हाजी शहाबुद्दीन	कोषाध्यक्ष	8696367950